

:: न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी उमरकोट साँबेर ::

राजस्व प्रकरण क्रमांक/44/अ-2/9-2000

बंशी पिता केसरीयाजी,

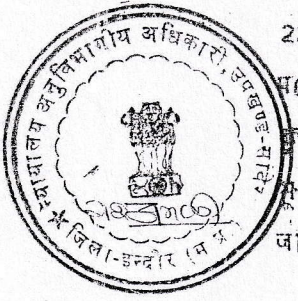
निवासी :- राहूँडेही तहसील साँबेर - - - - - आबेदक

बिरुद्ध

महसुददेश गायन - - - - - अनाबेदक

पारित आदेश दिनांक 24 अगस्त 2000

म.पू. भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172 के अन्तर्गत



आबेदक श्री बंशी पिता केसरीयाजी निवासी ग्राम नालडा जिला-धार हाल मुकाम विषलदा दिग्ठान साकिन राहूँडेही तहसील साँबेर की ओर से दिनांक 22.3.2000 को एक आबेदन पत्र प्रस्तुत कर निवेदन किया है कि ग्राम राहूँडेही म.पू. नं० 26/2 तहसील साँबेर स्थित कृषि भूमि सर्वे नं० 67/2, 67/5 एवं 67/6L पर रकबा 0.525 हेक्टर भूमि का कृषि आशय से व्यवसाय के प्रयोजन हेतु म.पू. स-राजस्व संहिता 1959 की धारा 172(1) के अन्तर्गत व्यववर्तन की अनुमति दी जाने की मांग की है।

चूंकि आबेदन कृषि भिन्न आशय में आवेदित किया गया है। अतः प्रकरण बंजीबद्ध कर जांच कार्यवाही प्रारंभ की गई। प्रकरण का संक्षिप्त विवरण निम्ना-नुसार है।

1. राजस्व अभिलेख खसरा पांच साला वर्ष 1997-98 एवं बी-1 किरत बंदी खतौनी वर्ष 1998-99 के अनुसार प्रस्तावित कृषि भूमि आबेदक द्वारा जरिह राजिस्ट्री दि० 20.3.1998 को ग्रण पुस्तिका क्रमांक 4-12320 के आधार पर सुनिल पिता नानूराम जी वमा निवासी लांड गली धार से आबेदक बन्सी पिता श्री केसरीयाजी निवासी ग्राम नालडा जिला धार ने क्रय की है। तदनुसार राजस्व अभिलेखों में आबेदक का नाम भूमि स्वामी सत्त्व पर अंकित किया गया जिसकी बुकिट खसरा पांच साला ब किरत बंदी खतौनी के खाता क्रमांक 71 से होती है।

2. प्रस्तावित भूमि का कृषि से व्यावसायिक प्रयोजन हेतु व्यववर्तन के सम्बन्ध में संयुक्त संचालक नगर तथा ग्राम निवेश इन्दौर एवं अधिक मू-अभिलेख परिवर्तित भूमि इन्दौर से व्यववर्तन के सम्बन्ध में इ प्रन्दूह दिवस में अभिमत चाहा गया। तदसम्बन्ध में अधिक मू-अभिलेख के द्वारा सप्त एवं अभिलेखों की जांच कर प्रस्तावित भूमि का व्यावसायिक प्रयोजन में व्यववर्तन किये जाने की अनुमति की एवं शासकीय आय बढ़ाने

की दृष्टि से पुनः निर्धारण भू-राजस्व प्रस्तावित किया ।

3] आवेदक द्वारा एक शतक-पत्र दिनांक 24.7.2000 को डायवर्सि के तम्बन्ध में प्रस्तुत किया । तदनुसार ग्राम राहूँडी स्थित खतरा नं. 67/2 का रकबा 0.525 आवेदक के भूमि स्वामी तत्व का है । एवं पुरना धिस भूमि के तम्बन्ध में किसी - न्यायालय में कोई वाद विवाद विचारा धिस नहीं है । एवं पुरना धिस भूमि के तम्बन्ध में 1950 भू-राजस्व संहिता की धारा 172(1) के अन्तर्गत व्यवहारी होने पर जो राशि भू-राजस्व एवं धिमियम के तम्बन्ध में निर्धारित होगी स्वीकार है । एवं - निर्धारित की जाने वाली शर्तों भी स्वीकार है । आवेदक ने पुरना धिस भूमि के तम्बन्ध में प्रस्तुत किये गये अभिलेख तत्व एवं तथी है । एवं पुरना धिस भूमि का निर्माण कार्य विधिवत् अनुज्ञा के बाद ही किया जावेगा ।

4] काबालिय ग्राम बंधावत लहुडियापरमार तहसील तांभेर के द्वारा दिनांक 7.2.99 को जारी पुरना धिस के आधार पर ग्राम राहूँडी में ग्राधी श्री बंशीलाल पिता - क्षेत्रिया जाति भूमि निवासी नालडा जिला धार की निजी भूमि स्थित है । तथा भूमि खतरा नं. 67/2, 67/5, 67/6 का डायवर्सि कराना चाहते हैं । अतः डायवर्सि करवाने पर बंधावत को कोई आपत्ती नहीं है ।

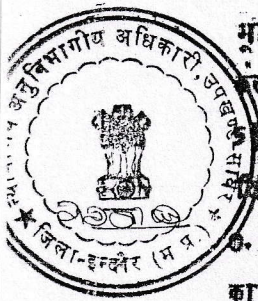
न्यायालय अधिका मू-अभिलेख परिवर्तित भूमि क्लेस्टोरेट इन्दीर के पत्र क्रमांक/सू/ दिनांक 20.7.2000 के द्वारा आवेदक द्वारा ग्राम राहूँडी के खतरा नं. 67/2 रकबा 0.525 होकर भूमि में कोई शासकीय भूमि सम्मिलित नहीं है । बटवारी नक्शों से भी का मिलान होता है । इस स्थान पर निर्माण कार्य नहीं किया गया है । भूमि इस न्यायालय में विवादित नहीं है व पुनः निर्धारण कर्तव्य कार्य किया जाना प्रस्तावित है ।

6] संयुक्त तंचालक नगर तथा ग्राम निवेश से इस काबालिय द्वारा जारी पत्र दिनांक 25.7.2000 को प्राप्त होने के बाद कोई अभिलेख प्राप्त नहीं हुआ है । जो पत्र पुराना से तंगन है ।

अतः उपरोक्त बिन्दुओं को दृष्टिगत रखते हुए मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा हूँ कि इन्कि आवेदक भूमि स्वामी है व स्थानिय संस्था ग्रामबंधावत के असाधारित प्रस्ताव पत्र के साथ सब शतक पत्र के तर्ज डायवर्सि बाधा है । आवेदन स्वीकार करते हुए, शासकीय आव बटाने की दृष्टि से निर्धारित शर्तों के साथ पुरना धिस आवेदित भूमि ग्राम- राहूँडी स्थित खतरा नं. 67/2 रकबा 0.525 है। कृधि भूमि को व्यावसायिक पुर्नोजन हेतु 1950 भू-राजस्व संहिता की धारा 172(1) के अन्तर्गत व्यवहारी की अनुज्ञा दी जाती है ।

1] ग्राम राहूँडी स्थित तबें नं. 67/2 रकबा 0.525 है। अर्थात् <sup>50192</sup> ~~किसी~~ बर्गसिटी भूमि पर संहिता की धारा 59 उपधारा 1 के अन्तर्गत 4777/4 रूपरे बा धिक दर से पुनः निर्धारण भू-राजस्व बर्ध 99-2000 से निर्धारित किया जाता है ।

.....



2] 1950 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 59 की उपधारा 5 के नवीनतम -  
आदेशों के अनुसार प्रीमियम की राशि 7834/- रुपये निर्धारित की जाती है।

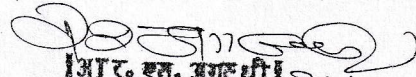
3] पुरना धित भूमि मुख्य मार्ग से लगी होने से पुरना धित भूमि का अविन्यास  
तंत्रुस्त तंत्रालक नगर तथा ग्राम निवेशा इन्दौर से अनुमोदित कराना होगा।

4] पुरना धित भूमि पर निर्माण कार्य की अनुज्ञा विधिवत् तद्वत् अधिकारी से प्राप्त  
करना होगी।

5] पुरना धित भूमि पर स्टा कॉर्ड निर्माण कार्य नहीं किया जावेगा वित्त से ताकजिनिक  
स्वास्थ्य एवं सुरक्षा को बाधित नहूँवती हों।

उपरोक्त निर्धारित राशि आदेश दिनांक से 15 दिवस के अन्दर जमा करना  
अनिवार्य होगा। उपरोक्त शर्तों में से किसी भी शर्त का उल्लंघन करने की दशा में  
आदेश निरस्त कर दिया जावेगा।

यह आदेश आज दिनांक 24.8.2000 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयके मुद्रा  
से जारी किया गया।



आर. एत. अग्रणी 24/8/2000

अनु विभागीय अधिकारी  
जिला इन्दौर,  
उपकण्ड-तावर जिला-इन्दौर